कक्षा–12
विषय–राजनीतिक विज्ञान
पाठ्यक्रम

मास	पुस्तक का नाम	विषय वस्तु	शिक्षण के पीरियड	दोहराई के पीरियड
अप्रैल	स्वतन्त्र भारत में राजनीति	अध्याय–1 : राष्ट्र–निर्माण की चुनौतियाँ नए राष्ट्र की चुनौतियाँ विभाजन : विस्थापन और पुनर्वास रजवाडों का विलय राज्यों का पुनर्गठन अध्याय–2 : एक दल के प्रभुत्व का दौर लोकतन्त्र स्थापित करने की चुनौती पहले तीन चुनावों में कांग्रेस का प्रभुत्व कांग्रेस के प्रभुत्व की प्रकृति कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया भारतीय जनसंघ विपक्षी पार्टियों का उद्भव स्वतन्त्र पार्टी	12	10
मई	स्वतन्त्र भारत में राजनीति	अध्याय–5 कांग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना राजनीतिक उतराधिकार की चुनौती चौथा आम चुनाव, 1967 कांग्रेस में विभाजन 1971 का चुनाव और कांग्रेस का पुनर्स्थापना अध्याय–6 लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट आपातकाल की पृष्ठभुमि नक्सलवादी आंदोलन आपातकाल की घोषणा आपातकाल के संदर्भ में विवाद आपातकाल के बाद राजनीति	16	10
जून	ग्रीष्मकालीन अवकाश प्रथम जून से 30 जून तक			
जुलाई	स्वतन्त्र भारत में राजनीति	अध्याय–3 : नियोजित विकास की राजनीति राजनीतिक फैसले और विकास योजना आयोग शुरूआती कदम मुख्य विवाद मुख्य परिणाम अध्याय–4 : भारत के विदेश सम्बन्ध अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ	16	8

		गुट निरपेक्षता की नीति चीन के साथ शांति और संघर्ष भारत की परमाणु नीति		
अगस्त	स्वतन्त्र भारत में राजनीति	अध्याय–7 जन आंदोलनों का उदय जन आंदोलनों की प्रकृति दलित पैंथर्स भारतीय किसान यूनियन ताड़ी–विरोधी आंदोलन नर्मदा बचाओं आंदोलन जन आंदोलन के सबक अध्याय–8 क्षेत्रीय आकांक्षाएँ क्षेत्र और राष्ट्र जम्मू एवं कश्मीर पंजाब पूर्वोत्तर बाहरी लोगों के खिलाफ आंदोलन समाहार और राष्ट्रीय अखंडता	14	8
सितम्बर	स्वतन्त्र भारत में राजनीति	अध्याय–9 भारतीय राजनीति : नए बदलाव 1990 का दशक गठबंधन का युग अन्य पिछड़ा वर्ग का राजनीतिक उदय सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता और लोकतन्त्र एक नयी सहमति का उदय दोहराई	5	
अक्तूबर	समकालीन विश्व राजनीति	अध्याय–1 शीतयुद्ध का दौर :– परिचय क्यूबा का मिसाइल संकट शीत युद्ध क्या है? दो–ध्रुवीय विश्व का आरंभ शीतयुद्ध के दायरे दो–ध्रुवीयता को चुनौती–गुटनिरपेक्षता नव अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था भारत और शीत युद्ध अध्याय–2 दो ध्रुवीयता का अंत :– परिचय सोवियत प्रणाली क्या थी? गोर्बाचेव और सोवियत संघ का विघटन सोवियत संघ का विघटन क्यों हुआ? विघटन की परिणतियाँ साम्यवादी शासन के बाद 'शॉक थेरेपी' 'शॉक थेरेपी' के परिणाम	15	6

		संघर्ष और तनाव पूर्व–साम्यवादी देश और भारत अध्याय–3 समकालीन विश्व में अमरीकी वर्चस्व :– परिचय नयी विश्व–व्यवस्था की शुरूआत क्लिटंन का दौर 9/11 और 'आतंकवाद के विरूद्ध विश्वव्यापी युद्ध' इराक का आक्रमण क्या होता है वर्चस्व का अर्थ? वर्चस्व–सैन्य शक्ति के अर्थ में वर्चस्व–ढॉचागत ताकत के अर्थ में वर्चस्व–सांस्कृतिक अर्थ में अमरीकी शक्ति के रास्ते में अवरोध वर्चस्व से कैसे निपटें?		
नवम्बर	समकालीन विश्व राजनीति	अध्याय–4 सता के वैकल्पिक केन्द्र :– परिचय यूरोपीय संघ दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रो का संगठन (आसियान) चीनी अर्थ व्यवस्था का उत्थान चीन के साथ भारत के सम्बंध अध्याय–5 समकालीन दक्षिण एशिया :– परिचय क्या है दक्षिण एशिया? पाकिस्तान में सेना और लोकतन्त्र बांग्लादेश में लोकतनत्र नेपाल में राजतंत्र और लोकतन्त्र श्रीलंका में जातीय संघर्ष और लोकतन्त्र भारत–पाकिस्तान संघर्ष भारत और उसके अन्य पडोसी देश शांति और सहयोग	12	8
दिसम्बर	समकालीन विश्व राजनीति	अध्याय–6 अंतर्राष्ट्रीय संगठन :– परिचय हमें अन्तर्राष्ट्रीय संगठन क्यों चाहिए? संयुक्त राष्ट्रसंघ का विकास शीत युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्रसंघ में सूधार प्रक्रियाओं और ढाँचे में सुधार संयुक्त राष्ट्र संघ का न्यायाधिकार संयुक्त राष्ट्र में सुधार और भारत एक ध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्रसंघ अध्याय–7 समकालीन विश्व में सुरक्षा :–	12	6

		परिचय सुरक्षा क्या है? पारंपरिक धारणा – बाहरी सुरक्षा आंतरिक सुरक्षा सुरक्षा के पारंपरिक तरीके सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा खतरे के नए स्त्रोत सहयोग मूलक सुरक्षा भारत–सुरक्षा की रणनीतियाँ		
शीत कालीन अवकाश				
जनवरी	समकालीन विश्व राजनीति	अध्याय–8 पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनः– परिचय वैश्विक राजनीति में पर्यावरण की चिंता क्यों? विश्व की साझी संपदा की सुरक्षा जिम्मेवारी साझी, भूमिकाएं अलग–अलग साझी संपदा पर्यावरण के मसले पर भारत का पक्ष संसाधनों की भु–राजनीति मूलवासी और उनके अधिकार अध्याय–9 वैश्वीकरण :– परिचय वैश्वीकरण की अवधारणा वैश्वीकरण के कारण राजनीतिक प्रभाव आर्थिक प्रभाव सांस्कृतिक प्रभाव भारत और वैश्वीकरण वैश्वीकरण का प्रतिरोध भारत और वैश्वीकरण का प्रतिरोध	8	4
फरवरी		पूर्ण पाठ्यक्रम की दोहराई		
मार्च		वार्षिक परीक्षाएं		